Sociology

Class:- MJC-1

Topic:- सामाजिक नियंत्रण की आवश्यकता या उद्देश्य (Objectives of Social Control)

किसी भी समाज के अस्तित्व के लिए समाज में एकता का होना आवश्यक है। सामाजिक नियंत्रण के द्वारा समाज में लोगों के व्यवहारों और भावनाओं पर नियंत्रण लगाया जाता है। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि एक स्वस्थ समाज के लिए सामाजिक संगठन में सुव्यवस्था और एकरूपता होना अति आवश्यक है। यह कार्य सामाजिक नियंत्रण के द्वारा ही किया जा सकता है। सामाजिक नियंत्रण के निम्नलिखित उद्देश्यों का उल्लेख किया जा सकता है

प्रमुख उद्देश्य

1. प्राचीन व्यवस्था को बनाए रखना — प्रत्येक समाज या समूह की सामाजिक व्यवस्था सुचारू बनाये रखने के लिए यह आवश्यक है कि समाज के सदस्य उस व्यवस्था के अनुरूप व्यवहार करें। परिवार सामाजिक नियंत्रण के एक प्रमुख साधन के रूप में अपना उद्देश्य पूरा करता है परिवार के बुजुर्ग सदस्य छोटे सदस्यों का मार्गदर्शन करते हैं, जिससे समाज में एकरूपता बनी रहती है।
2. सामाजिक एकता स्थापित करना — सामाजिक नियंत्रण के द्वारा ही व्यक्ति सामान्य या स्वीकृत ढंग से व्यवहार करते हैं, जिससे समाज में एकता स्थापित करने में सहायता मिलती है।
3. व्यक्तिगत व्यवहार को नियंत्रित करना — समाज में लोगों की आदतों, रुचियों, मनोवृत्तियों, प्रथाओं और परम्पराओं में भिन्नता के कारण साथ ही विभिन्न धर्मों, आदर्शों, विश्वासों में विभिन्नताओं की वजह से समाज में संघर्ष की सम्भावना हमेशा से रही है। अतः व्यक्ति के व्यवहारों को नियंत्रित करने के लिए सामाजिक नियंत्रण अति आवश्यक है।
4. सामाजिक अभिमति प्रदान करना — प्रत्येक समाज में अनेक प्रथाओं, जनरीतियों, रूढ़ियों, परम्पराओं का प्रचलन होता है, जिसे प्रत्येक व्यक्ति को स्वीकार करना पड़ता है। इस रूप में सामाजिक नियंत्रण सामाजिक अभिमति प्रदान करने के क्षेत्र में आवश्यक हो जाता है।

स्पष्ट है कि प्राचीन व्यवस्था को बनाये रखने के लिए सामाजिक नियंत्रण अति आवश्यक है।

By—
Dr. Sangeeta Prakash

Ajanta Officer

Scanned with CamScanner